नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD

वर्ष : 02
अंक : 177
दि. 26.10.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के भुवनेश्वर में आरबीआई के नवनिर्मित डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ओडिशा के भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवनिर्मित डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। महाप्रभु जगन्नाथ के आशीर्वाद का स्मरण करते हुए, प्रधानमंत्री ने नए भारत को भुवनेश्वर द्वारा एक महत्वपूर्ण नया संस्थान समर्पित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इन दोनों सुविधाओं का शुभारंभ करने के लिए आरबीआई और इससे जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा, 'यह ओडिशा के लोगों और पूरे देश के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।'

उद्घाटन के व्यापक महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम देश के प्रशासनिक दृष्टिकोण में आए एक मौलिक बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर का सुशासन विकास को प्राथमिकता देने, इसके दायरे का विस्तार करने और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं (लास्ट-माइल डिलीवरी) पहुँचाने पर आधारित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा,'आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत में गवर्नेंस का तरीका किस तरह बदला है।'

प्रधानमंत्री ने जन-केंद्रित और सक्रिय सुशासन के उस मॉडल की चर्चा की, जो संतुलित क्षेत्रीय विकास, गरीबों के सम्मान और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि कोई भी नागरिक पीछे न छूटे। उन्होंने कहा कि आज एक्सप्रेसवे छोटे शहरों को आपस में जोड़ रहे हैं, एम्स जैसे संस्थानों का अनेक राज्यों में विस्तार हुआ है, छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, गांवों में लगभग 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं और दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा, 'नागरिकों के जीवन को आसान बनाना और उनके सपनों को नए अवसर प्रदान करना ही अब सुशासन का वास्तविक उद्देश्य है।'

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि 1960 और 1970 के दशक में गरीबों के कल्याण के नाम पर बैंकों का राष्ट्रीयकरण किए जाने के बावजूद, 2014 तक आधी से अधिक आबादी बैंकिंग व्यवस्था से बाहर थी। उस समय मध्यम वर्ग के लिए बैंक से ऋण लेना दूर का सपना था, जबकि छोटे किसानों, भूमिहीनों और महिलाओं के लिए इसकी कल्पना करना भी मुश्किल था। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन के आधुनिक दौर ने देशभर में इस स्थिति को बदल दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'आज भारत में डिजिटल बैंकिंग ने हर किसी को 24 घंटे बैंकिंग सेवाओं से जोड़ दिया है।'

श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा, 'आज डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से देश का हर परिवार लाभार्थी बन गया है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अब सरकारी सहायता के वितरण में होने वाली किसी भी तरह की लीकेज पूरी तरह समाप्त हो गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की ओर से जारी किया जाने वाला एक-एक रुपया अब बिना किसी कटौती के सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, 'यह देश में खोले गए लगभग 60 करोड़ जनधन खातों के कारण ही संभव हो पाया है।'

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अब बिना किसी संपत्ति को गिरवी (कोलैटरल) रखे भी लोग अपना कारोबार शुरू करने के लिए किफायती दरों पर औपचारिक ऋण (फॉर्मल क्रेडिट) प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लक्षित योजनाओं और पहलों के माध्यम से छोटे उद्यमी, पारंपरिक कारीगर, रेहड़ी-पटरी वाले और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत 13 करोड़ लोग पहली बार उद्यमी बने, पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से लाखों रेहड़ी-पटरी वालों और कुशल कारीगरों को औपचारिक ऋण मिला तथा एक करोड़ ग्रामीण महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वयं सहायता समूहों को बैंकों से हजारों करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। श्री मोदी ने कहा, 'पहली बार उन्हें औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था का लाभ मिला है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय डेबिट और क्रेडिट कार्ड केवल संपन्न लोगों तक सीमित थे, लेकिन आज करोड़ों रुपे कार्डों के माध्यम से ये सुविधाएं हर नागरिक तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि रुपे कार्ड आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने इस बदलाव में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंकों और देशभर के प्रत्येक बैंक कर्मचारी के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सराहना करते हुए कहा, 'इस गौरव के आप सभी सहभागी हैं।'

'नागरिक देवो भव' के मंत्र से प्रेरित होकर आर्थिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक सुरक्षा के दायरे में अभूतपूर्व विस्तार का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि अटल पेंशन योजना के तहत 9 करोड़ नागरिकों को कवर किया जा रहा है, जिनमें ओडिशा के 38 लाख लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मात्र 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 450 रुपये से कम के वार्षिक प्रीमियम पर जीवन बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है। इन योजनाओं ने बीमा जैसी सुविधा, जो कभी लग्जरी मानी जाती थी, गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए भी सुलभ बना दी है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि अन्य सरकारें ऐसे बीमा दावों के भुगतान को बड़े प्रचार और सुर्खियों का विषय बनातीं, जबकि कठिन समय में परिवारों को 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की दावा राशि बिना किसी शोर-शराबे के वितरित की जा चुकी है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा, 'यही सुशासन है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दशक में बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जबकि आने वाला दशक ओडिशा के नए डेटा सेंटर और मजबूत कंप्यूटिंग प्रणालियों की मदद से बैंकिंग सेवाओं को अधिक कुशल और विश्वसनीय बनाने के लिए समर्पित है। उन्होंने आगाह किया कि आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों में बदलाव के साथ साइबर खतरों के जरिए अर्थव्यवस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में भारत को अपनी वित्तीय प्रणाली को साइबर लुटेरों और साइबर आतंकवादियों से सुरक्षित रखना होगा। इसके लिए पुराने प्रशिक्षण साधनों को आधुनिक बुनियादी ढांचे और कुशल मानव संसाधन से सुसज्जित करना आवश्यक है। श्री मोदी ने कहा, 'ऐसे में इस नए साइबर सुरक्षा संस्थान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।'

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण में पूर्वी भारत को विकास का एक सशक्त इंजन बताते हुए कहा कि ओडिशा में वर्तमान सरकार के नेतृत्व में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य अपने पारंपरिक खनिज-आधारित उद्योगों के साथ-साथ सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा सेंटर और उन्नत कंप्यूटिंग के नए इकोसिस्टम को विकसित कर रहा है। इस तरह ओडिशा खदानों से लेकर माइक्रोचिप तक की विकास यात्रा के माध्यम से अपने भविष्य के बड़े अवसर बना रहा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विकास के ये उभरते क्षेत्र व्यापक अवसरों के द्वार खोलेंगे और ओडिशा के युवाओं के बड़े सपनों को साकार करने में मदद करेंगे। उन्होंने पर्व-त्योहार के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। श्री मोदी ने विश्वासपूर्वक कहा, 'आप देखेंगे, ओडिशा खदानों से माइक्रोचिप तक की यात्रा के जरिए एक नया भविष्य लिखने जा रहा है।'

दहेज हत्या के मामले में आरोपी पति और सास गिरफ्तार

अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न से परेशान होकर विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर जान देने

के मामले में पुलिस ने उसके पति और सास को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ दहेज हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था । पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण करवाया है और चालान किया है। एसएसपी कार्यालय की ओर से बताया गया कि मामले में बस्ती जनपद के दुबौलिया थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पूराकलंदर थाने में प्रार्थना पत्र दिया था।

मंडलायुक्त ने पीईटी परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दिए निर्देश

अयोध्या। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने पीईटी परीक्षा के दृष्टिगत मेथोडिस्ट इंटर कॉलेज एवं जीआईसी इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा परीक्षा को सुचारु रूप से संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इसी क्रम में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने एसएसबी इंटर कॉलेज, साहेबगंज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने एसएसबी इंटर कॉलेज, साहेबगंज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

उच्च अधिकारियों ने व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने भी परीक्षा के सुचारु संचालन के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित कुमार भट्ट, एसपी चक्रपाणि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सऊदी अरब के लिए एअर इंडिया की उड़ानें भी रद्द, रिफंड के लिए हेल्पलाइन जारी, जानें कब तक रहेंगी कैंसिल?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, सऊदी अरब में हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एअर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और अकासा एयर ने सऊदी अरब के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानों पर अस्थायी रोक लगाई है। एयरलाइंस ने प्रभावित यात्रियों के लिए रिफंड और टिकट दोबारा बुक कराने की सुविधाएं भी घोषित की हैं।

एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की रियाद तथा दम्माम जाने वाली उड़ानें 7 नवंबर तक रद्द रहेंगी, जबकि जेद्दा के लिए उड़ानों पर 31 अक्टूबर 2026 तक रोक रहेगी। इंडिगो ने रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए अपनी उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द की हैं। वहीं, अकासा एयर ने जेद्दा के लिए 10 नवंबर और रियाद के लिए 30 नवंबर 2026 तक उड़ानें रद्द करने का फैसला किया है।

सऊदी अरब में हूती विद्रोहियों की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों के दावों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हवाई अड्डों और अन्य ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबरों के बाद एयरलाइंस ने परिचालन की स्थिति और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ानें रद्द की हैं।

यात्री 31 अक्टूबर तक की यात्रा के लिए टिकट बदलवा सकते हैं

इस फैसले से सऊदी अरब आने-जाने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। प्रभावित यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि संबंधित एयरलाइन से कर लें।

एअर इंडिया ने प्रभावित यात्रियों को टिकट दोबारा बुक कराने की सुविधा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रियाद और दम्माम की यात्रा के लिए पात्र यात्री एक बार बिना अतिरिक्त री-बुकिंग शुल्क के टिकट बदलवा सकेंगे। यात्री 21 नवंबर 2026 तक की यात्रा के लिए दोबारा बुकिंग करा सकते हैं।

जेद्दा जाने वाले यात्रियों को भी एक बार मुफ्त री-बुकिंग की सुविधा दी गई है। इसके तहत पात्र यात्री 31 अक्टूबर तक की यात्रा के लिए टिकट बदलवा सकते हैं और 14 नवंबर तक यात्रा कर सकते हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस भी पात्र यात्रियों को एक बार मुफ्त री-बुकिंग की सुविधा उपलब्ध करा रही है। यह सुविधा सऊदी अरब, बहरीन और भारत के बीच संबंधित परिचालन केंद्रों से बुक की गई पात्र उड़ानों पर लागू होगी।

टिकट में बदलाव से पहले एयरलाइन से नियमों और उपलब्ध विकल्पों की पुष्टि करना जरूरी है।

एयरलाइंस ने यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। रद्द उड़ानों, रिफंड और टिकट दोबारा बुक कराने से संबंधित जानकारी के लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

सोनम वांगचुक की केंद्र को चेतावनी, कहा-विरोध की आवाज दबाई तो भारत में भी बन सकते हैं नेपाल-बांग्लादेश जैसे हालात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, पर्यावरणविद् और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वालों की आवाज दबाने के बजाय सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन सरकार के लिए फीडबैक का काम करते हैं और उन्हें अपनी नीतियों तथा कामकाज में सुधार करने का अवसर देते हैं। यदि जनता की नाराजगी को लगातार नजरअंदाज किया गया, तो भारत में भी नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते हैं।

मुंबई में आयोजित आईपीएफ फेस्टिवल में बोलते हुए वांगचुक ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने और सरकार तक अपनी समस्याएं पहुंचाने का अवसर मिलना चाहिए। यदि जनता की शिकायतों को अनसुना किया जाता है, तो असंतोष बढ़ सकता है, जिसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ सकता है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन सरकार पर दबाव बनाने का लोकतांत्रिक माध्यम

उन्होंने ब्रिटेन, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां लोगों को संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति है। इससे सरकार पर जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेने का दबाव बनता है और शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसके विपरीत, भारत में प्रदर्शन स्थलों को सरकार के प्रमुख केंद्रों से दूर रखने के कारण प्रदर्शनकारियों की आवाज संबंधित अधिकारियों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाती। वांगचुक ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के लिए निर्धारित स्थानों की दूरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि संसद से जंतर-मंतर ही काफी दूर है, ऐसे में रामलीला मैदान और बुराड़ी मैदान की दूरी का अंदाजा लगाया जा सकता है। उनके अनुसार, प्रदर्शन स्थलों को सरकार के प्रमुख कार्यालयों से दूर रखने से विरोध का उद्देश्य कमजोर हो सकता है।

उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन सरकार पर दबाव बनाने का लोकतांत्रिक माध्यम हैं। इनके जरिए सरकार को पता चलता है कि आम लोग किन मुद्दों को लेकर परेशान हैं और उसकी नीतियों का जमीनी स्तर पर क्या असर पड़ रहा है। जनता की समस्याओं की जानकारी के बिना सरकार के लिए प्रभावी ढंग से काम करना मुश्किल है।

वांगचुक ने नेपाल और बांग्लादेश का उल्लेख करते हुए कहा कि जब लोगों की परेशानियों को लगातार नजरअंदाज किया जाता है और सरकार उनकी बात नहीं सुनती, तो असंतोष गंभीर रूप ले सकता है।

उन्होंने चेताया कि जनता की नाराजगी को समय रहते समझना और उसका समाधान करना जरूरी है।

वांगचुक ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए अनुमति लेने की अनिवार्यता पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, सरकार और पुलिस को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि शहर में कौन-सा कार्यक्रम कहां आयोजित हो रहा है, ताकि व्यवस्था बनाए रखी जा सके। उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध को नागरिकों का संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि इस अधिकार को सीमित करने से सरकार को ही नुकसान हो सकता है।

रुदौली में चुनावी तैयारी को सपा ने दी धार

बूथ मजबूती पर जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव ने भरा जोश

(जीएनएस)।

अयोध्या। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को गति देने के लिए रविवार को रुदौली विधानसभा क्षेत्र में बैठक आयोजित की। रुदौली एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में आयोजित बैठक में विधानसभा के सभी जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी, पार्टी के पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकताओं की जिम्मेदारियों तथा चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता छोटेलाल यादव ने की, जबकि संचालन रईस खान ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जय सिंह यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती उसके कार्यकताओं की सक्रियता और बूथ स्तर पर मजबूत व्यवस्था से तय होती है। जोन एवं सेक्टर प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में

संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित रूप से आगे बढ़ाएं और बूथ स्तर तक कार्यकताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करे। उन्होंने कहा कि पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के लिए बूथ स्तर पर निरंतर संपर्क, संवाद और सक्रियता आवश्यक है। सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन की स्थिति की समीक्षा करें और जहां भी कमियां हों, उन्हें दूर करने के लिए मिलकर प्रयास करें। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जोन एवं सेक्टर प्रभारियों को बूथ स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

चोरी के आईफोन व नकदी के साथ आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी के मामलों में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एप्पल आईफोन, तीन एलन की और 3,950 रुपये बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ पहले से आर्म्स

एक्ट और आबकारी अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज मिले हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम ने रविवार की रात 2.39 बजे पोस्टमार्टम हाउस के पास से रवि गौड़ (26) पुत्र स्वर्गीय नंद कुमार गौड़ निवासी हैदरगंज कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊ में 26 अक्टूबर को श्रम संहिता, श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय 'श्रम संवाद' कार्यक्रम

(जीएनएस)।

लखनऊ , श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से 26 और 27 अक्टूबर 2026 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में श्रम संहिता, श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय क्षमता विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम श्रम सुधारों पर जिला स्तरीय क्षमता विकास और जागरूकता पर राष्ट्रव्यापी 'श्रम संवाद' पहल के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

श्रम संवाद अभियान को 28 सितंबर, 2026 को देशभर में शुरू किया गया था। यह एक 90 दिवसीय जनसंपर्क पहल है जिसके तहत मंत्रालय सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 316 जिलों में जिला स्तरीय जनसंपर्क कर रहा है। इसमें औद्योगिक समूहों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य नियोक्ताओं और अन्य हितधारकों को नए श्रम संहिता के प्रावधानों, प्रयोज्यता और अनुपालन आवश्यकताओं के बारे में अधिक स्पष्टता प्रदान करना है। इससे जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन को सुगम बनाया जा सके।

कार्यक्रम के पहले दिन 'श्रम सुधार' पर विचार-विमर्श होगा, जिसमें श्रम और रोजगार सचिव मुख्य भाषण देंगे। दिन के पहले भाग में होने वाले प्रमुख सत्रों में अंतरराष्ट्रीय श्रम गतिशीलता, असंगठित और गिग/प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपाय और भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) के लिए पहलों पर चर्चा होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री दिन के उत्तरार्ध में एक महत्वपूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। इसके बाद के सत्रों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से संबंधित जानकारियां दी जाएंगी। चर्चाओं में ई-श्रम, श्रम सुविधा पोर्टल, समाधान और लेबर स्टैक जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व पर भी बल दिया जाएगा साथ ही राज्य सरकार द्वारा अपनाई जा रही सर्वोत्तम व्यवस्थाओं और कार्यान्वयन रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

दूसरे दिन का मुख्य विषय 'श्रम संहिता का कार्यान्वयन और आगे की राह' होगा। इसकी शुरूआत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में तकनीकी सत्रों से होगी। दिन के पहले भाग में होने वाली चर्चाओं में सभी चार श्रम संहिताओं, अर्थात् मजदूरी संहिता (2019), औद्योगिक संबंध संहिता (2020), सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता (2020) के तहत वैधानिक अनुपालनों का अवलोकन और विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना और प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना सहित प्रमुख योजनाओं पर विशेष प्रस्तुतियां होंगी। दूसरे दिन बाल श्रम की रोकथाम, बचाव, पुनर्वास, जिला स्तरीय निगरानी और बाल एवं बंधुआ मजदूरी उन्मूलन की रणनीतियों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों दिन के सत्रों में उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी भाग लेंगे। दोनों दिनों का एक प्रमुख आकर्षण योजनाबद्ध खुली चर्चा सत्र होंगे, जो प्रतिभागियों और उद्योग के हितधारकों द्वारा उठाए गए प्रमुख परिचालन संबंधी चिंताओं, नियामक अनुपालनों और व्यावहारिक प्रश्नों के समाधान के लिए एक संवाद मंच प्रदान करेगा।

बैड़ी अलीपुर में 'मन की बात' कार्यक्रम में उमड़ा जनसमूह, विधायक राहुल बच्चा की मौजूदगी में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

(जीएनएस)।

कानपुर नगर , बूथ संख्या 163 पर प्रधानमंत्री के विचारों को सुनने के लिए एकत्र हुए कार्यकर्ता, ककवन मंडल में आयोजित कार्यक्रम में संगठनात्मक गतिविधियों पर रहा जोर

बैड़ी अलीपुर, ककवन, कानपुर नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को लेकर बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के ककवन मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत बैड़ी अलीपुर में बूथ संख्या 163 पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग एकत्र हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री के विचारों को सुना गया और बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों को लेकर कार्यकर्ताओं की भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम में बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा की मौजूदगी रही। उनके साथ ककवन मंडल अध्यक्ष शानू राठौर, ललित बच्चा सोनकर,बूथ अध्यक्ष जितेंद्र अवस्थी, अविरल शुक्ला, राजू सैनी, विनीत मिश्रा और सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में जुटे लोगों ने सामूहिक रूप से 'मन की बात' सुनी और जनहित से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए।

बूथ स्तर पर संगठन और जनसंपर्क पर जोर

बैड़ी अलीपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं की उपस्थिति ने बूथ स्तर पर राजनीतिक गतिविधियों को चर्चा में ला दिया। कार्यक्रम के माध्यम से आपसी संवाद, जनसंपर्क और संगठनात्मक सहभागिता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को आम लोगों तक पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर जनता से संपर्क बनाए रखने की बात कही।

ककवन मंडल में आयोजित यह कार्यक्रम भाजपा की बूथ स्तरीय गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में विधायक राहुल बच्चा की मौजूदगी और मंडल व बूथ पदाधिकारियों की सहभागिता भी प्रमुख रूप से सामने आई।

बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र-209 में बूथ स्तर पर सक्रियता के बीच बैड़ी अलीपुर का यह आयोजन स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक संवाद को लेकर चर्चा का विषय बना।

गन्ने का मूल्य ₹600 प्रति क्विंटल करने की मांग, भाकियू धरतीपुत्र ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिपाल सिंह यादव बोले– बढ़ती लागत को देखते हुए किसानों को मिले गन्ने का लाभकारी मूल्य

(जीएनएस)।

मितौली (लखीमपुर खीरी)। गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र (अराजनैतिक) ने गुरुवार, 22 अक्टूबर को उपजिलाधिकारी मितौली को ज्ञापन सौंपकर गन्ने का मूल्य ₹600 प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग की। संगठन ने किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का समय पर भुगतान कराने, गन्ने की पर्चियों की समस्या दूर करने और तौल में होने वाली अनियमितताओं पर रोक लगाने की भी मांग उठाई।

ज्ञापन का नेतृत्व संगठन के जिला अध्यक्ष हरिपाल सिंह यादव ने किया। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी जनपद में बड़ी संख्या में किसान गन्ने की खेती पर निर्भर हैं। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, सिंचाई और कृषि मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा गन्ने की छिलाई और ढुलाई पर भी किसानों को काफी

खर्च करना पड़ता है। ऐसे में किसानों को उनकी मेहनत और उत्पादन लागत के अनुरूप लाभकारी मूल्य मिलना जरूरी है।

हरिपाल सिंह यादव ने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत कर देश की अर्थव्यवस्था और चीनी उद्योग को मजबूत बनाने में योगदान देते हैं, लेकिन खेती की बढ़ती लागत के कारण उनकी आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। उन्होंने सरकार से गन्ने का मूल्य ₹600 प्रति क्विंटल निर्धारित करने के लिए जल्द आवश्यक कदम उठाने की मांग की, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग

संगठन की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में चीनी मिलों पर किसानों का बकाया भुगतान समय से कराने, खाद-बीज और डीजल सहित कृषि लागत कम करने तथा गन्ने की पर्चियों से संबंधित समस्याओं का समाधान कराने की मांग की गई। इसके साथ ही गन्ने की तौल में घटतौली और अन्य अनियमितताओं की शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण करने पर भी जोर दिया गया।

किसान यूनियन ने प्रशासन से मांग की कि किसानों की समस्याओं और मांगों को उत्तर प्रदेश सरकार तथा संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाए, जिससे गन्ना किसानों को राहत मिल सके।

कई पदाधिकारी रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने के दौरान युवा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार राठौर, जिला किसान संगठन मंत्री सुनील कुमार उर्फ अमन गॉड, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अय्यूब, जिला कार्यकारिणी सदस्य हिमांशु निषाद, जिला महासचिव शिव सिंह यादव और तहसील अध्यक्ष मितौली राकेश यादव उर्फ कल्लू समेत संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संघर्ष करता रहेगा। संगठन ने दोहराया कि गन्ने का मूल्य ₹600 प्रति क्विंटल निर्धारित करना किसानों के हित में जरूरी है, ताकि उन्हें बढ़ती लागत के बीच अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना: बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ागांव में हुआ नि:शुल्क उपकरणों का आकलन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। वयो श्री योजना के तहत रविवार को पंचायत भवन बड़ागांव मे आसरा संस्था के तत्वाधान मे एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे 60 वर्ष की उम्र पार कर चुके 255 बुजुर्गो को उपकरण उपलब्ध कराने का ऐसमेंट किया गया।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एलिम्को कनपुर के सहयोग से बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण कराने के उद्देश्य से रविवार को पंचायत भवन मे आयोजित शिविर मे डा0 श्याम मनोहर एव आसरा प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद ने ग्राम पंचायत के 60 वर्ष की आयु पार कर चुके 255 लोगो के स्वास्थ्य जाँच कर उन्हे उपकरण उपलब्ध कराने का चयन किया। आसरा प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद ने बताया कि

इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके जीवन को सुगम बनाना है।

शिविर में पात्र बुजुर्गों को उनकी आवश्यकता के अनुसार निम्नलिखित जीवन सहायक उपकरण व्हीलचेयर, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, वॉकर, बैसाखी और फोल्डिंग छड़ी। कमर की बेल्ट (लम्बर बेल्ट), गर्दन का कॉलर (सर्वाइकल कॉलर) और नी ब्रेस (घुटने का सपोर्ट)। कानों की मशीन (श्रवण यंत्र), चश्मा, कमोड चेयर और सिलिकॉन गद्दे उपलब्ध कराने का असेसमेंट किया गया।

इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, लालू प्रसाद, नीरज कुमार स हित ग्रामीण मौजूद रहे।

किसानों से औने-पौने दाम पर धान खरीदने का आरोप, क्रय केंद्रों की निगरानी पर सवाल

बिलसंडा में बिना लाइसेंस खरीद और सरकारी केंद्रों पर धान खपाने की आशंका, जांच की उठी मांग

(जीएनएस)।

बिलसंडा (पीलीभीत)। धान खरीद का सीजन शुरू होते ही किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में कुछ आढ़तियों पर किसानों से औने-पौने दामों पर धान खरीदने का आरोप लगा है। यह भी आशंका जताई जा रही है कि किसानों से कम कीमत पर खरीदे गए धान का स्टॉक कर बाद में उसे सरकारी धान क्रय केंद्रों पर बेचने का प्रयास किया जा सकता है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आरोप है कि कुछ व्यापारी किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर कम कीमत पर धान खरीद रहे हैं। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। वहीं, बिना वैध लाइसेंस के धान खरीद की शिकायतों ने संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

सरकारी क्रय केंद्रों की व्यवस्था पर सवाल

सरकार की ओर से किसानों से धान खरीदने के लिए क्रय केंद्र संचालित किए जाते हैं, ताकि उन्हें निर्धारित व्यवस्था के तहत अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके। इसके बावजूद किसानों को निजी व्यापारियों के हाथों कम कीमत पर धान बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है तो यह व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। ऐसे में क्रय केंद्रों पर खरीद की स्थिति और किसानों को मिल रहे लाभ की जांच जरूरी मानी जा रही है।

स्टॉक और खरीद अभिलेखों की जांच की मांग

क्षेत्र में यदि बिना वैध लाइसेंस के धान की खरीद-बिक्री हो रही है, तो संबंधित विभागों को इसकी पड़ताल करनी चाहिए। साथ ही आढ़तियों के लाइसेंस, खरीद-बिक्री के अभिलेख, धान के स्टॉक और सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीदे जा रहे धान की जांच कराई जानी चाहिए। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कहीं निजी व्यापारियों से खरीदे गए धान को किसानों की उपज बताकर सरकारी खरीद में शामिल तो नहीं किया जा रहा है।

जिम्मेदार अधिकारी कब लेंगे संज्ञान?

धान खरीद के सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासनिक निगरानी महत्वपूर्ण है। अब सवाल यह है कि बिलसंडा क्षेत्र में सामने आ रहे आरोपों को लेकर संबंधित विभाग कब जांच शुरू करेंगे। यदि शिकायतों में सच्चाई मिलती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि सरकारी खरीद व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

वीवीआईपी कार्यक्रम से पहले अलर्ट मोड में पुलिस, डीसीपी पश्चिम ने हेलीपैड से वाल्मीकि आश्रम तक परखी सुरक्षा व्यवस्था

(जीएनएस)।

बिल्हौर कानपुर नगर

कानपुर नगर। आगामी वीवीआईपी कार्यक्रम के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री एस.एम. कासिम आबिदी ने हेलीपैड स्थल, कार्यक्रम स्थल और वाल्मीकि आश्रम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी पश्चिम ने वीवीआईपी सुरक्षा, पुलिस बल की

तैनाती, वाहनों की पार्किंग, यातायात प्रबंधन, रूट डायवर्जन, वीवीआईपी आवागमन के निर्धारित मार्गों, बैरिकेडिंग और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा यातायात और भीड़ प्रबंधन को व्यवस्थित बनाए रखा जाए।

वीवीआईपी कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियां जारी हैं। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा इंतजामों को प्रभावी बनाने और कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया।

वीआईपी कार्यक्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, नानाराव पार्क बिठूर में पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग

(जीएनएस)।

बिल्हौर कानपुर नगर

अपर पुलिस आयुक्त विपिन टाडा के नेतृत्व में डीसीपी पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी ने दिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश

बिठूर, कानपुर नगर। आगामी वीआईपी कार्यक्रम के मद्देनजर कानपुर नगर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को नानाराव पार्क, बिठूर में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग की गई।

अपर पुलिस आयुक्त श्री विपिन टाडा के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री एस.एम. कासिम आबिदी ने पुलिसकर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था, सतर्कता और ड्यूटी के दौरान निर्धारित कर्तव्यों के निर्वहन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ब्रीफिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को आपसी समन्वय बनाए रखने और ड्यूटी के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए सभी पुलिसकर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

पुलिस प्रशासन का उद्देश्य आगामी वीआईपी कार्यक्रम को सुरक्षित, सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

देशभर की 95 टीमों के बीच बास्केटबॉल का रोमांच, तीसरे 33 एसआर मेमोरियल टूर्नामेंट का भव्य समापन

(जीएनएस)।

लखनऊ, 24 अक्टूबर 2026। एसआर इंटरनेशनल स्कूल एंड स्पोर्ट्स अकादमी में आयोजित तीसरे 33 एसआर मेमोरियल बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2026 का दो दिवसीय आयोजन उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। 23 एवं 24 अक्टूबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई 95 टीमों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलकित खरे, आईएएस, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चेयरमैन एवं सीतापुर के एमएलसी पवन सिंह चौहान तथा वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से किया। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पवन सिंह चौहान, लक्ष्मण पुरस्कार से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय

बास्केटबॉल खिलाड़ी एवं लखनऊ में डीएसपी अभिनव सिंह पुंडीर तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज जैन उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अनुशासन, समर्पण और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के परिणाम

अंडर-14 बालक वर्ग: प्रथम- रानी रेवती देवी स्कूल, प्रयागराज, द्वितीय- सिल्वर ग्रोव स्कूल, वाराणसी

अंडर-14 बालिका वर्ग: प्रथम- विद्याज्ञान स्कूल, सीतापुर, द्वितीय- सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, लखनऊ

अंडर-17 बालक वर्ग: प्रथम- महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोरखपुर, द्वितीय- यूपी कॉलेज, वाराणसी

अंडर-17 बालिका वर्ग: प्रथम- एम.पी. गर्ल्स इंटर कॉलेज, गोरखपुर, द्वितीय- ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज, लखनऊ

सीनियर बालक वर्ग: प्रथम- रोज, उत्तराखंड, द्वितीय- लक्ष्य अकादमी, गोरखपुर

सीनियर बालिका वर्ग: प्रथम- उत्तर प्रदेश पुलिस, द्वितीय- शिवम बास्केटबॉल, आगरा

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

यासीन मलिक को अभी जमानत नहीं

दिल्ली की एक अदालत के विशेष न्यायाधीश प्रशान्त शर्मा ने जेल में बंद अलगाववादी नेता यासीन मलिक, बरामूला के सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्प इंजीनियर रशीद और पांच अन्य आरोपियों के खिलाफ धनशोधन अधिनियम निवारण (पीएमएलए) के तहत मजबूत संदेह व्यक्त करने के लिए रिकोर्ड पर्याप्त सामग्री पाते हुए जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी गतिविधियों के लिए हवाला के माध्यम से पाकिस्तान से कथित तौर पर धन प्राप्त करने से जुड़े धनशोधन मामले में मुकदमा चलाने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय के आरोप के मुताबिक इन सभी सात आरोपियों ने 8.94 करोड़ रुपए की अपराध से आय प्राप्त की। असल में ईंडी का यह मामला एनआईए यानि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण द्वारा 2017 में दर्ज एक मामले से जुड़ा है जिसमें भारतीय दंड संहिता और गैर कानूनी गविविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। दरअसल जिन लोगों पर दिल्ली की अदालत के विशेष जज का पैसला आया है, वे 1989 से 2017 तक जम्मू-कश्मीर के सम्मानित समाजसेवी की छवि बनाए हुए थे। उन्हें राज्य और केन्द्र दोनों ही सरकारों का समर्थन प्राप्त था। दोनों सरकारें मानती थीं कि इनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई से राज्य में माहौल और अधिक खराब होगा। केन्द्र सरकार के लिए राज्य में शान्तिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए हर कीमत चुकाई जा सकती थी जबकि राज्य सरकार हमेशा अपनी कीमत को बढ़ाए रखने के लिए खुराफातियों को संतुष्ट रखने में ही अपनी भलाई समझती थी। वास्तविकता तो यह है कि अपनी-अपनी तरह से जम्मू-कश्मीर के राजनेताओं ने राज्य में अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए प्रयास किया क्योंकि उन्हें राष्ट्रीय भावना से कोई मतलब ही नहीं था। ज्यादा समय तक राज्य की सत्ता अब्दुल्ला परिवार के हाथ में रही, इसीलिए वहां के स्थानीय अलगाववादियों से पारस्परिक हितों के लिए नजदीकियां ज्यादा थीं, जिन सात नेताओं के खिलाफ विशेष जज ने पैसला सुनाया है, वे सभी फारुख अब्दुल्ला की छत्रछाया में ही प्रभावी राजनीतिक पहचान बना सके हैं, यह संयोग ही है कि एक तरफ जब अपने वुवृत्यों के दो दशक बाद अदालत में ये सभी सात आरोपी अपनी पोल पट्टी सुन रहे थे तो दूसरी तरफ जम्मूकश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला नेशनल कांप्रेंस के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने पाकिस्तान प्रेम की यह कहकर अपनी हकीकत सार्वजनिक कर दी कि पाकिस्तान कश्मीरियों को बचा रहा है। वरना नईं दिल्ली के इरादे कश्मीर के लिए ठीक नहीं हैं। सच तो यह है कि फारुख अब्दुल्ला की तरह ही राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने दूसरी बार शपथ ग्रहण के दिन ही मार्च 2015 में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों के प्रति इस बात के लिए वृतज्ञता व्यक्त कर दी थी कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने खुराफात नहीं की जिसकी वजह से चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संभव हो सके। फारुख अब्दुल्ला और मुफ्ती मोहम्मद सईद दोनों ने अपने शासन काल में अलगाववादी नेता और पाकिस्तान के घोषित प्रतिनिधि सैयद अली शाह जिलानी और उसकी पाटा जमात-ए-इस्लामी कश्मीर को संतुष्ट रखने में कोई संकोच नहीं रखते थे। जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद के जनक जिलानी 1953 से ही जमात-ए-इस्लामी कश्मीर में सक्रिय था और हजारों समर्थक कार्यकताओं को फारुख अब्दुल्ला एवं मुफ्ती मोहम्मद सईद ने राज्य सरकार में नौकरी दी थी। बेसिक विद्यालयों से लेकर राज्य सरकार के स्नातक महाविद्यालयों तक में जिलानी के कार्यकर्ता शिक्षा व्यवस्था में आज भी विषाक्त माहौल बनाए हुए हैं। लब्बोलुआब यह है कि जम्मू-कश्मीर के सूफी चरित्र को आतंकी और अलगाववादी चेहरा बनाने वालों के खिलाफ दिल्ली की अदालत का पैसला निश्चित रूप से इस बात का परिचायक है कि अब जिम्मेदारी तय करने का समय आ गया है, इसलिए व्रम जारी रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से जशपुर में बदली हजारों परिवारों की जिंदगी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में जिले के 97 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का मकान

(जीएनएस)।

जशपुरनगर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित जशपुर जिले में हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

वर्षों से कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। आज जिले के हजारों परिवार पक्की छत के नीचे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) ने गरीब, जरूरतमंद और विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है। वहीं,

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वे कर छूटे हुए परिवारों को भी पात्रतानुसार योजना का लाभ दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

योजना का मुख्य उद्देश्य पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है,

ताकि वे सुरक्षित और बेहतर जीवन जी सकें। आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीजी जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

वर्षों तक अभावों के बीच जीवन बिताने वाले परिवारों के लिए पक्का मकान किसी सपने से कम नहीं था। कच्चे मकानों की कमजोर दीवारें और जर्जर छतें उनकी परेशानियों को बयां करती थीं।

बारिश के दिनों में घरों में पानी भर जाना, घरेलू सामान का भीगना और रातभर जागकर समय बिताना उनकी मजबूरी थी। ऐसे में प्रधानमंत्री आवास योजना ने इन परिवारों को सुरक्षित आशियाना देकर उनके जीवन में खुशहाली और स्थिरता लाने का काम किया है।

छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील पहल से हजारों परिवार लाभान्वित

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 922 आवास स्वीकृत किए गए हैं।

इनमें से 97 हजार 165 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इन पक्के मकानों में परिवार अपने प्रियजनों के साथ

सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

यह उपलब्धि जिले में आवासहीन और जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसी प्रकार, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत वर्ष 2023 से 2025 के दौरान जिले में 2,113 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,626 से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं।

इस योजना से विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के परिवार भी पक्के मकानों में रहने का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सुरक्षित आवास मिलने से उनके जीवन में स्थिरता आई है और परिवारों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से बेहतर सुरक्षा मिल रही है।

पीएम-जनमन से जनजातीय परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल

पीएम-जनमन योजना का उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

इसके अंतर्गत सुरक्षित आवास के साथ स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका के अवसरों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

योजना के माध्यम से जनजातीय परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। पक्का मकान मिलने से इन परिवारों को सुरक्षित आवासीय वातावरण उपलब्ध हो रहा है, जिससे वे अपने भविष्य को लेकर अधिक आश्वस्त हो रहे हैं।

आवास प्लस 2.0 सर्वे से छूटे परिवारों को मिलेगा लाभ

जशपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के दायरे से छूटे हुए परिवारों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वे किया गया है। इसके अंतर्गत 1,02,371 परिवारों का पुनः सर्वेक्षण

किया गया है।

इन परिवारों को निर्धारित पात्रता एवं शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार योजना से लाभान्वित किया जाएगा।

इस पहल से ऐसे परिवारों तक भी आवास योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो पहले किसी कारणवश योजना के दायरे में शामिल नहीं हो पाए थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम-जनमन और आवास प्लस 2.0 के माध्यम से जशपुर जिले में जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इन योजनाओं से न केवल परिवारों को सुरक्षित आवास मिल रहा है, बल्कि उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी मजबूत हो रही है।

ओबामा ने ट्रंप पर बोला तीखा हमला, बढ़ती महंगाई के लिए टैरिफ नीति और ईरान यूद्ध को बताया जिम्मेदार

(जीएनएस)।

वाशिंगटन, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने तीन नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनावों को सिस्टम का सर्किट ब्रेकर बताते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। ओहायो के क्लीवलैंड में एक रैली के दौरान उन्होंने ट्रंप प्रशासन की ईरान के साथ लड़ाई, टैरिफ नीतियों और इमिग्रेशन पर सख्ती को बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार ठहराया। बराक ओबामा शनिवार को क्लीवलैंड के पब्लिक ऑडिटोरियम में डेमोक्रेट उम्मीदवार एमी एक्टन, जो ओहायो के गवर्नर पद की उम्मीदवार हैं और अमेरिकी सीनेट के लिए डेमोक्रेट उम्मीदवार पूर्व सीनेटर शेरोड ब्राउन के समर्थन में आयोजित रैली में पहुंचे थे। ओबामा ने कहा, इस प्रशासन के फैसले सीधे तौर पर बढ़ती महंगाई के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ने एक ऐसी गैरजरूरी लड़ाई शुरू कर दी, जिसे न किसी ने मांगा था और न ही किसी ने उसके पक्ष में वोट दिया था।

ईरान के मुद्दे पर बोलते हुए ओबामा ने कहा, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं थे क्योंकि मैंने एक ऐसा समझौता किया था जिसे सबने स्वीकार किया था। उस समझौते ने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोके रखा और इसके लिए मुझे कोई मिसाइल नहीं चलानी पड़ी। मैंने सिर्फ कूटनीति का रास्ता अपनाया।

उन्होंने कहा कि सात महीने बाद हालात बदल चुके हैं। उनके मुताबिक, हमारे सहयोगियों और सैन्य ठिकानों पर हमले हुए हैं, अमेरिकी नागरिक मारे गए हैं, सैकड़ों घायल

हुए हैं, हमारे मिसाइल भंडार कम हो गए हैं और अब ईरान को होर्मुज स्ट्रेट पर प्रभाव हासिल हो गया है, जहां से दुनिया के बाजारों तक तेल पहुंचता है।

ओबामा ने कहा, यही वजह है कि तेल की कीमतें बढ़ी हैं। यही कारण है कि डीजल महंगा हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट एशिया के कई देशों, जिसमें भारत भी शामिल है, तक कच्चे तेल की आपूर्ति का एक अहम रास्ता माना जाता है।

व्यापार नीति पर निशाना साधते हुए ओबामा ने कहा कि ट्रंप को टैरिफ बहुत पसंद हैं जबकि उन्हें पहले ही चेतावनी दी गई थी कि इसकी कीमत आखिरकार आम उपभोक्ताओं को चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि टैरिफ ने भी महंगाई बढ़ाने में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, और अब वह जिस बड़े ट्रेड वॉर की शुरूआत कर रहे हैं, वह उस कथित खतरनाक साम्राज्य कनाडा के खिलाफ है। इस पर रैली में मौजूद लोग हंस पड़े। ओबामा ने कहा, यही वो लोग हैं जिन्होंने हमें मेपल सिरप और अभिनेता मार्टिन शॉर्ट दिए हैं।

इमिग्रेशन पर ओबामा ने कहा कि वह हमेशा से मानते रहे हैं कि सीमा सुरक्षित और व्यवस्थित होनी चाहिए और जो लोग अमेरिका आना चाहते हैं, वे कानूनी तरीके से आएं। उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रपति रहते हुए सीमा सुरक्षा कड़ी करने पर उन्हें अपनी ही पार्टी के कुछ लोगों की आलोचना झेलनी पड़ी थी।

उन्होंने कहा, मुझे याद नहीं कि किसी ने चुनाव प्रचार के दौरान यह कहा हो कि नकाब पहने एजेंट हमारी सड़कों पर दौड़ेंगे। मुझे यह भी याद नहीं कि किसी ने कानून का पालन करने वाले नागरिकों की गिरफ्तारी, हिरासत या गोलीबारी की बात की हो।

ओबामा ने व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर से किए जा रहे नवीनीकरण कार्यों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, उन्हें तो एचजीटीवी पर होना चाहिए। वह व्हाइट हाउस से भी बड़ा बॉलरूम बनवा रहे हैं।

उन्होंने ट्रंप पर निजी फायदा उठाने के लिए राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। एक वेनेजुएलाई अरबपति को दी गई माफी का जिक्र करते हुए ओबामा ने कहा, हमने पहले कभी ऐसा राष्ट्रपति नहीं देखा। यह सीधे-सीधे जनता के पैसे पर फायदा उठाने जैसा है। उन्होंने मेम कॉइन और करदाताओं के पैसे से मिलने वाले सरकारी ठेकों का भी उल्लेख किया।

ओबामा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में मौजूद रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप को रोकने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने ओहायो के सीनेटर उम्मीदवार और रिपब्लिकन नेता जॉन हस्टेड का नाम भी लिया।

अपने भाषण के अंत में ओबामा ने कहा, यह चुनाव इस प्रशासन की गलतियों और नासमझी पर कुछ हद तक लगाम लगाने का शायद आखिरी बड़ा मौका है। यह हमारे सिस्टम का सर्किट ब्रेकर है और हमें इस सर्किट ब्रेकर को चालू करना होगा।

ओबामा ने ओहायो के गवर्नर पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी की उस चुनावी विज्ञापन पर भी आलोचना की, जो एमी एक्टन को निशाना बनाता है। इसके बाद ओबामा मिशिगन के डेट्रॉइट रवाना हो गए, जहां उन्होंने डेमोक्रेट उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार किया।

दूसरा टी20 - शानदार जीत के बाद तिलक का खुलासा, गंभीर और कोटक से मिली ये खास सलाह

(जीएनएस)।

क्राइस्टचर्च, भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 4 विकेट से रोमांचक जीत के बाद शानदार जीत दिलाने के बाद तिलक वर्मा ने बताया कि मैच जिताऊ नाबाद 51 रनों की पारी से पहले उन्हें कोच गौतम गंभीर और सितांशु कोटक से क्या खास संदेश मिला था? शनिवार को हेगली ओवल में न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतर भारतीय टीम ने 70 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद तिलक वर्मा ने नमन धीर (31) के साथ छठे विकेट के लिए 42 रन और नितीश रेड्डी (नाबाद 26) के साथ सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को जीत दिलाई। तिलक ने एक बार फिर मुश्किल समय में बेहतरीन प्रदर्शन किया, ठीक वैसा ही जैसा पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में किया था। मेन इन ब्लू के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने उन्हें क्या सलाह दी थी?

लिए जो जीत नामुमकिन लग रही थी, उसे हासिल करने में तिलक ने अहम भूमिका निभाई।

मैच के बाद प्रेजेंटेशन में बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस दौरान तिलक ने बताया कि दूसरे टी20 से पहले हेड कोच गौतम गंभीर और

जब तिलक वर्मा से पूछा गया कि वह शुरूआती 5 विकेट गिरने के बाद क्या सोच रहे थे, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं बस अंत तक खेलने के बारे में सोच रहा था। आज के मैच से ठीक पहले, मेरी बात कोच गौतम सर और सितांशु कोटक सर से हुई थी। उन्होंने मुझसे एक ही बात कही: हमें पूरा भरोसा है, और पूरा भारत आप पर भरोसा करता है। अगर आप अंत तक टिके रहे, तो आप हमारे लिए मैच जरूर जीतेंगे। तो बस यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं मैच को जितना हो सके उतना आगे तक ले जाना चाहता था। अंत में, वही हुआ जिस पर सभी को भरोसा था। मुझे खुद पर बहुत गर्व है।

तिलक ने बताया, मैंने नमन से कहा था कि हम अंत तक टिके रहेंगे। आज विकेट पिछले मैच की तुलना में थोड़ा धीमा था, इसलिए मैंने नमन से कहा कि जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों, तो हमें विकेट के बीच तेजी से दौड़ना होगा। यही हमारी योजना थी। जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे, तो हमने तेजी से रन लिए। बदकिस्मती से, नमन मिचेल सेंटनर के आखिरी ओवर में आउट हो गए। वर्ना, मुझे लगता है कि हम 18वें ओवर में ही

कैसे 'उड़ान' योजना ने एक दशक में बदली देश की तस्वीर!

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे पर्वतीय राज्यों में हवाईं संपर्क का नया अध्याय शुरू हुआ।

वैसे उड़ान योजना ने एक दशक में बदली देश की तस्वीर!

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाईं यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्व मेट्रो शहरों दिल्ली, मुंबईं, बेंगलुरु, चेन्नईं, कोलकाता और हैदराबाद तक ही सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूर-दराज के सीमावता व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाईं चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाईं यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्व योजना' (उड़े देश का आम नागरिक) की नींव रखी गईं। इस उड़ान योजना ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो, तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता।

इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को ही बदल दिया है, बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाज़ार बनाने में रीढ़ की हड्डी की भूमिका निभाईं है।

साल 2026 में अपने पहले दशक की सफलता के बाद, अब भारत सरकार की 'संशोधित उड़ान' से देश को न केवल क्षेत्रीय रूप से एक-दूसरे के करीब लाने, बल्कि 'स्वदेशी विमानन' और 'आत्मनिर्भरता' के नए युग की ओर भी अग्रसर कर रही है। यह नईं योजना आने वाले दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर से आगे ले जाने में एक मजबूत संवाहक सिद्ध हो सकती है? वेंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस- उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे पर्वतीय राज्यों में हवाईं संपर्व का नया अध्याय शुरू हुआ।

इसके विस्तार एवं नवाचार में साल 2018-2021 में इस योजना में पूवरेत्तर राज्यों, दूर-दराज के द्वीपों, वाटर एयरोड्रोम (सी-प्लेन) और हेलीकॉप्टर सेवाओं को शामिल कर उड़ान 2.0, 3.0 और 4.0 का दायरा बढ़ाया गया। यदि आंकड़ों पर गौर की जाए तो, साल 2014 तक पूरे देश में केवल 74 चालू हवाईं अड्डे थे। लेकिन 'उड़ान' योजना के लागू होने के बाद अगले दस वर्षों में यह संख्या दो गुने से भी अधिक होकर 166 तक पहुँच गईं है।

मसलन इन 10 वर्षों की प्रमुख सांख्यिकीय उपलब्धियों के तहत देश के कोने-कोने में वुल 687 क्षेत्रीय मार्गों पर विमान परिचालन शुरू हुआ और वुल 95 नए एयरोड्रोम शुरू किए गए, जिनमें 17 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम शामिल हैं। उड़ानों और यात्रियों की संख्या की दृष्टि से अब तक इस योजना के तहत 3.68 लाख से अधिक उड़ानें संचालित होने का दावा किया गया है।

इन चार राज्यों में मिली हवाईं अड्डे की सौगात-देश के अलग-अलग भागों में इसके चार प्रत्यक्ष उदाहरण देखे जाएं, तो इसमें परूणिया (बिहार) यानी कोसीसीमां चल का आर्थिक सूर्योदय 2025 से पूर्व परूणिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जैसे जिलों के निवासियों को हवाईं यात्रा के लिए 200 किलोमीटर दूर बागडोगरा जाना पड़ता था। पटना और कोलकाता जाने में 8 से 10 घंटे लगते थे। 2025 में चालू हुआ 2.8 किलोमीटर लंबा रनवे वाला परूणिया हवाईं अड्डा (जो बिहार का सबसे लंबा रनवे है) अब ए320 और बी737 जैसे बड़े बोइंग विमानों को संभालने में सक्षम है।

इसी प्रकार तेजू (अरुणाचल प्रदेश) में हवाईं अड्डा 2021 में शुरू हुआ। इससे पूर्व गुवाहाटी पहुँचने में स्थानीय लोगों को 10 से 12 घंटे का कठिन सड़क सफर तय करना पड़ता था। अब यह सफर घटकर सिर्प 1 घंटा रह गया है। जबकि देवघर (झारखंड) में जुलाईं 2022 में हवाईं अड्डे के उद्घाटन से पहले बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को रांची या पटना उतरकर 150-200 किमी दूर की कठिन यात्रा करनी पड़ती थी।

अब दिल्ली से देवघर का सफर 15 घंटे से घटकर मात्र 2 घंटे का रह गया है। इसके अलावा साल 2017 में किशनगढ़ (राजस्थान) एयरपोर्ट की शुरूआत ने विश्वप्रसिद्ध किशनगढ़-अजमेर मार्बल मंडी की दिशा ही बदल दी।

सीधी एयर कागरे सेवा मिलने से इटली, यूएईं और अमेरिका को मार्बल निर्यात आसान हो गया है।

'संशोधित उड़ान' का शुभारंभ-इसी साल 4 जुलाईं 2026 को वेंद्र सरकार ने अगले 10 वर्षों (वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36) के लिए 28,840 करोड़ के बजट के साथ योजना के अगले और अधिक आधुनिक चरण की घोषणा की गईं। वेंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 मार्च 2026 को इस संशोधित क्षेत्रीय संपर्व योजना को मंजूरी दी थी। इस नए चरण में मौजूदा हवाईं पट्टियों से 100 हवाईं अड्डे विकसित करने, 200 आधुनिक हेलीपैड बनाने, क्षेत्रीय हवाईं अड्डों के संचालन को आर्थिक सहायता देने और विमानन वंपनियों को प्रोत्साहित करने की योजना है। केवल हवाईं पट्टियाँ बनाना नहीं, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत एक ऐसा घरेलू विमानन पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जो 'मेड इन इंडिया'

विमानों और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे पर आधारित होगी।

एयरलाइनों को कम किराए पर विमान चलाने में मदद हेतु 15 अक्टूबर 2026 तक 5,091.23 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की जा चुकी है। इस नए चरण में 120 नए गंतव्यों तक हवाईं संपर्व बढ़ाने और अगले दस वर्षों में चार करोड़ यात्रियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया गया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, विमानन वंपनियों को सहायता, राज्यों के साथ समन्वय और स्वदेशी विमानों की उपलब्धता पर जोर दिया जा रहा है।

कायम है शरद परूणिमा पर चांदनी में खीर रखने की परंपरा

(जीएनएस)।

भारत त्योहारों का देश है। यहां हर त्योहार का कोईं न कोईं निहितार्थ है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्वृतिक, धरमिक और राष्ट्रीय एकता के जीवन्त प्रतीक होते हैं। इसमें देश के इतिहास का समावेश होता है। त्योहार बिना जाति, धर्म ओर भेदभाव के सभी लोग मिलजुल कर मनाते हैं और एक दूसरे के सुख दुख में भागीदारी देते हैं। ऐसा ही एक त्योहार शरद परूणिमा है।

इसे कोजागरी परूणिमा, रास परूणिमा और शरद पूनम के नाम से भी जाना जाता है। शरद परूणिमा पर देश के अनेक भागों में औषधीय खीर का वितरण सभी धर्मो के लोगों को समान रूप से किया जाता है।

मान्यता है शरद परूणिमा के दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं में रहकर पृथ्वी के काफी करीब रहता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन चंद्रमा से निकलने वाली किरणों में सभी प्रकार के रोगों को हरने की क्षमता होती है।

इसीलिए कहा गया है कि शरद परूणिमा की रात आकाश से अमृत वर्षा होती है। इसी अमृत वर्षा को चखने के लिए घर घर में खुले आसमान के नीचे खीर बनायीं जाती है। इस खीर को प्रसाद के रूप में अगली सुबह वितरित किया जाता है। शरद परूणिमा का पावन पर्व इस वर्ष 25 अक्टूबर, को देशभर में मनाया जाएगा। पंचांग के मुताबिक परूणिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह लगभग 11:55 बजे शुरू होगी और 26 अक्टूबर को सुबह लगभग 9:41 बजे समाप्त होगी । विभिन्न स्थानों पर पूजा के मुहूर्त और चंद्रोदय के समय में अंतर हो सकता है। साल की 12 परूणिमा में से शरद परूणिमा सबसे खास होती है। शरद परूणिमा तन, मन और धन तीनों के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। शरद परूणिमा पर लक्ष्मी जी की उपासना कर कोजागर पूजा की जाती है, ये पूजा सर्वसमृद्धिदायक मानी गईं है। देशभर में शरद परूणिमा का त्योहार काफी धूम-धाम और हषरेल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे कौमुदी उत्सव, वुमार उत्सव, शरदोत्सव, कमला परूणिमा और रास परूणिमा के नाम से भी इसे जाना जाता है। हिदू धर्म में सभी परूणिमा में आश्विन परूणिमा का विशेष महत्त्व है। शास्त्रों के अनुसार यह दिन आमजन के लिए लाभकारी है।

शरद परूणिमा पर खीर बनाकर चांदनी रात में रखने की परंपरा अब तक चली आ रही है। माना जाता है कि इस रात चंद्रमा की रोशनी में खीर रखने से खीर में औषधीय गुण आ जाते हैं। मान्यता है इस खीर को खाने से पित्त से जुड़ी समस्याएं कम होती हैं, साथ ही एसिडिटी, स्किन रेशेज, पेट में जलन, ऑटिकेरिया जैसी बीमारियों से इस खीर से राहत मिलती है।

आयुव्रेद के अनुसार, चंद्रमा की किरणों में औषधीय गुण होते हैं, जो खीर में मौजूद दूध और चावल के साथ मिलकर स्वास्थ्यवर्धक प्रभाव डालते हैं।

दूध में लैक्टिक एसिड और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो चंद्रमा की किरणों के संपर्व में आने पर और अधिक प्रभावी हो सकते हैं। चांदनी रात में खीर को खुले आसमान के नीचे रखने से यह ठंडी रहती है, और बैक्टीरिया के विकास की संभावना कम होती है। इसके अलावा, शरद त्रतु में तापमान संतुलित होता है, जो खीर को रात भर ताजा रखने में मदद करता है।

परूणिमा की चांदनी में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखने के पीछे वैज्ञानिक तर्व यह है कि चंद्रमा के औषधीय गुणों से युक्त किरणें पड़ने से खीर भी अमृत के समान हो जाएगी। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बाल मुवुंद ओझा

प्रयागराज में कांग्रेस का सामाजिक न्याय सम्मेलन, वोट बचाने के लिए एकजुट होने का आ'ान

(जीएनएस)।

प्रयागराज ,लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से अलोपीबाग स्थित सरदार पटेल संस्थान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में किसान, मजदूर और वंचित वर्ग के लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने मताधिकार की रक्षा, पिछड़ों की भागीदारी और आरक्षण के मुद्दे उठाते हुए केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा।सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना', विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी, सहप्रभारी वरुण चौधरी, पूर्व राज्यसभा सदस्य राजमणि पटेल और प्रदेश पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।भूपेश बघेल ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान का अधिकार प्रत्येक नागरिक का सबसे बड़ा अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार साक्ष्यों के साथ कथित वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं और विभिन्न राज्यों से इस संबंध में आंकड़े सामने आ रहे हैं। उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सांप्रदायिक राजनीति करने तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने का आरोप लगाया। बघेल ने उत्तर प्रदेश में पिछड़ों, किसानों और मजदूरों के साथ कथित अन्याय के मुद्दे पर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट के माध्यम से जवाब देने का आ'ान किया।प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि कांग्रेस प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने मतदाताओं से सतर्क रहने और एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की।

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में ओबीसी के आरक्षण और भागीदारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब तक पिछड़े वर्ग की सही गणना नहीं होगी और आबादी के अनुपात में आरक्षण, रोजगार तथा संसाधनों में हिस्सेदारी सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक समावेशी विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय के मुद्दे पर समझौता नहीं करेगी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि किसी वयस्क नागरिक से मतदान का अधिकार छीनना उसके जीवन के अधिकार पर चोट करने जैसा है। उन्होंने मताधिकार की रक्षा के लिए जनता से आगे आने की अपील की। वहीं, विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी ने कहा कि कांग्रेस ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए संघर्ष किया था और अब राहुल गांधी के नेतृत्व में कथित वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है।प्रदेश पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि प्रयागराज शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय की धरती है। उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़े वर्ग के अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने निजीकरण, लेटरल एंट्री और आरक्षण से जुड़े मुद्दे उठाते हुए कहा कि हाल में जारी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती के विज्ञापन में ओबीसी आरक्षण को लेकर सवाल हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को उठाएगी और पिछड़े वर्ग को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने भी एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचने का आ'ान किया।सम्मेलन के आयोजक किसान मजदूर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह पटेल ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अनुग्रह नारायण सिंह, सुशील पासी, देवेंद्र निषाद, जितेंद्र पटेल, विजय बहादुर यादव, डॉ. राजकुमार मौर्य, राम किशुन पटेल, दिनेश यादव, विक्रम सिंह पटेल, मनोज पटेल, अशोक महतो, लक्ष्मी गुप्ता, राज बहादुर निषाद, राजेश्वरी पटेल, संदीप चौधरी, मंजू मौर्य, दीपक पटेल, राम प्यारे पाल, मनोज पासी, असरार नियाजी, संकल्प पटेल, धनंजय पटेल, द्वारिका पाल, नीरज मिश्रा, महातिम सिंह और विवेक पटेल सहित कई लोग मौजूद रहे।

गोवध के लिए ले जाए जा रहे नौ गोवंश बरामद, डीसीएम चालक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ, इटौंजा पुलिस ने सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर चेकिंग के दौरान एक डीसीएम से आठ गाय और एक बछिया बरामद की है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर डीसीएम जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, गोवंश को पंजाब से बिहार ले जाया जा रहा था और चालक परिवहन से संबंधित वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। गोवंश के पैर बंधे हुए थे और उन्हें वाहन में ठूंसकर लादा गया था।

पुलिस के मुताबिक, 24 अक्टूबर को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि डीसीएम संख्या पीबी02डीएफ4284 में गोवंश लादकर शाहजहांपुर की ओर से लखनऊ ले जाए जा रहे हैं। सूचना पर इटौंजा पुलिस ने हर्षा इंस्टीट्यूट के सामने सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर वाहन रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान उसमें आठ गाय और एक बछिया जीवित अवस्था में मिलीं। इस मामले में गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5ए/8 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(घ) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार चालक की पहचान पंजाब के तरनतारन जिले के खडूर साहिब थाना क्षेत्र स्थित शंकरकला गांव निवासी रविन्द्र सिंह (42) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि गोवंश को लुधियाना जिले के खन्ना स्थित समराला रोड से डीसीएम में लादा गया था और उन्हें बिहार की बक्सर मंडी ले जाया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, चालक ने गोवध के उद्देश्य से गोवंश ले जाने की बात भी बताई है। उसने इससे पहले भी तीन से चार बार गोवंश को बक्सर ले जाने की जानकारी दी।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से डीसीएम, आठ गाय, एक बछिया, पोको कंपनी का आसमानी रंग का एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 3,200 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में संदीप सिंह निवासी हरियो खुर्द, थाना एवं तहसील समराला, जिला लुधियाना का नाम भी पूछताछ के दौरान सामने आया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।इस कार्रवाई में इटौंजा थाने के उपनिरीक्षक नरेन्द्र कुमार भारती, उपनिरीक्षक राजदेव यादव, कांस्टेबल अभिषेक कुमार, कांस्टेबल चिराग त्यागी और कांस्टेबल शोभित चौधरी शामिल रहे।

जमीन बेचने के विवाद में भतीजे की हत्या का आरोप, चाचा गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ, महिगवां थाना क्षेत्र के शुक्लनपुरवा गांव में जमीन बेचने को लेकर हुए विवाद में भतीजे की हत्या के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अजय मिश्रा उर्फ गुड्डन (53) को रविवार 25 अक्टूबर को सुबह करीब 10:15 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ हत्या और गाली-गलौज से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

पुलिस के मुताबिक, मड़ियांव थाना क्षेत्र के प्रीतीनगर डुडौली निवासी गरिमा मिश्रा ने 20 अक्टूबर को महिगवां थाने में तहरीर देकर बताया था कि 19 अक्टूबर को शुक्लनपुरवा गांव में उनके पति दिव्यांशु मिश्रा उर्फ शुभम के सगे चाचा अजय मिश्रा ने गाली-गलौज के दौरान धारदार हथियार से उनके सिर पर हमला कर दिया था। गंभीर चोट लगने से दिव्यांशु की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा संख्या 167/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 352 में प्राथमिकी दर्ज की थी।पुलिस का कहना है कि विवेचना के दौरान सूचना मिली कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आरोपी अपने घर पहुंच गया है। इसके बाद महिगवां पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 19 अक्टूबर को उसका भतीजा दिव्यांशु उसके घर आया था। जमीन बेचने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद और गाली-गलौज हुई। इसी दौरान उसने घर में रखी कुल्हाड़ी से दिव्यांशु के सिर पर दो वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मामले में एक धारदार तबली भी बरामद की गई है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय मिश्रा उर्फ गुड्डन, पुत्र स्वर्गीय त्रियुगी नारायण मिश्रा, निवासी शुक्लनपुरवा, थाना महिगवां, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ वर्ष 2022 में इटौंजा थाने में हत्या का एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में महिगवां थानाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य, उपनिरीक्षक सतीश सिंह, कांस्टेबल अनुराग सिंह तोमर, महिला कांस्टेबल अनीता देवी और चालक कांस्टेबल बनारसी शामिल रहे।

भाजपा सरकार में किसान ठगा महसूस कर रहा, 2027 में सत्ता परिवर्तन करेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर किसानों से वादाखिलाफी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश का किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन बढ़ती महंगाई के बीच उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई है। खेती-किसानी घाटे का सौदा बनती जा रही है। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और उर्वरकों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि किसानों को अपनी फसलों की लागत तक नहीं मिल पा रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को बुआई से लेकर फसल बेचने तक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहले समय पर खाद, बीज, पानी और सिंचाई के लिए बिजली नहीं मिलती। किसान मेहनत और लागत लगाकर फसल तैयार कर लेता है तो उसे उचित कीमत नहीं मिलती। धान, आलू, मक्का समेत कई फसलों के उत्पादकों को लागत मूल्य हासिल करना भी मुश्किल हो रहा है। धान किसानों को लागत की तुलना में प्रति क्विंटल एक हजार रुपये तक का नुकसान उठाकर फसल बेचनी पड़ रही है। धान खरीद केंद्रों की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बिचौलिए किसानों से कम कीमत पर उपज खरीदकर मुनाफा कमा रहे हैं।सपा अध्यक्ष ने कहा कि आलू की कीमतों में गिरावट से किसान परेशान हैं और उन्हें उपज के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। सरकार पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण करा रही है, लेकिन इसका लाभ गन्ना किसानों को नहीं मिल रहा। नया पेराई सत्र शुरू होने के बावजूद कई चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का सैकड़ों करोड़ रुपये बकाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है और उन्हें केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि बाढ़, बारिश और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ, लेकिन सरकार ने प्रभावित किसानों को पर्याप्त सहायता नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा और शोषण का सामना कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि किसान वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे।अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर गन्ना किसानों का भुगतान 24 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। किसानों को पर्याप्त बिजली मिलेगी, फसलों का लाभकारी मूल्य दिया जाएगा तथा खाद, बीज और सिंचाई के पानी की समय पर व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों के हितों की रक्षा करेगी और उनके शोषण को रोकने के लिए काम करेगी।

यूपी चुनाव 2027: अखिलेश यादव का बड़ा एलान, सत्ता में आने पर किसानों को मुफ्त सिंचाई और 24 घंटे में भुगतान

महापौर ने सुबह लगाई झाड़ू, शाम को सफाई अभियान में होटल व्यवसायियों से मांगा सहयोग

मां सरयू महास्वच्छता अभियान को लेकर नगर निगम ने की बैठक, 31 अक्टूबर को होगा मेगा क्लीनअप ड्राइव

(जीएनएस)।

अयोध्या। मां सरयू महास्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम ने रविवार को स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही होटल व्यवसायियों से सहयोग की अपील की। सुबह सात बजे रकाबगंज चौराहे पर मेगा क्लीनअप ड्राइव के तहत सफाई की गई। वहीं, शाम को अयोध्या धाम स्थित नगर निगम के जनरल कार्यालय में होटल व्यवसायियों के साथ बैठक कर 31 अक्टूबर को सरयू घाट पर प्रस्तावित विशेष सफाई अभियान में सहभागिता का आ'ान किया गया।

महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने होटल व्यवसायियों के साथ बैठक में कहा कि अयोध्या की स्वच्छता में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। होटल संचालक अपने प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मां सरयू महास्वच्छता अभियान में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने सभी होटल व्यवसायियों से 31 अक्टूबर को सरयू घाट पहुंचकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की।

इस मौके पर अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव और जोनल अधिकारी ज्वाला प्रसाद मौजूद रहे। इससे पहले महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी की अगुवाई में रिकाबगंज, हनुमानगढ़ी क्षेत्र और झारखंडी वार्ड में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कों और आसपास के क्षेत्रों से पॉलिथीन सहित अन्य कचरा हटाया गया। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिया कि कहीं भी जलभराव न होने दें, ताकि मच्छरों के प्रकोप को रोका जा सके। अभियान में पार्षद बृजेंद्र सिंह, अनीता द्विवेदी, पूर्व पार्षद बुद्धिपाल प्रजापति, भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, आशीष श्रीवास्तव, आलोक द्विवेदी, सुबोध चतुर्वेदी, सतीश पांडेय, साहित्यकार डॉ. अनुजेंद्र तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रप्रीत सिंह बेदी, आशीष कौर, जोगेंद्र कौर, विनीत पांडेय तथा चिंतन संस्था के आलोक सिंह राणा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोपी गिरफ्तार, किशोरी बरामद

(जीएनएस)।

लखनऊ, बंथरा थाना पुलिस ने करीब 15 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में आरोपी मनीष महतो (25) को गिरफ्तार कर किशोरी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, दो सितंबर 2026 को बंथरा थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी करीब 15 वर्षीय नातिन को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। शिकायत के आधार पर बंथरा थाने में मुकदमा संख्या 292/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 और 137(2) में मामला दर्ज किया गया था।किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के साथ सूचना तंत्र की मदद से किशोरी का पता लगाया और उसे बरामद कर लिया। मामले में मनीष महतो को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के महुआ थाना क्षेत्र के बिचौली गांव का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, वह वर्तमान में दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में किशन कॉलोनी के पास पहलाद विहार में रहता था। कार्रवाई में बंथरा थाना पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम शामिल रही।

अधेड़ लापता, ढेमवा घाट से मिली चप्पल व साइकिल

रौनाही पुलिस एन डी आर एफ और परिजन कर रहे तलाश

सोहावल-अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र में सरयू नदी ढेमवा घाट पर अशोक कुमार गुप्ता पुत्र पियारे उम्र लगभग 52 वर्ष नगर पंचायत माँ ज्वाला माई के गांव शेखलाउदीपुर सोमवार दोपहर से लापता हैं।जिनके नदी में कूदने की सूचना मिल रही है। दोपहर 2 बजे साइकिल से जाते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ है। पुल के पास चप्पल और साइकिल मिली है। अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। घाट पर साइकिल और चप्पल मिलने

के बाद आशंका के आधार पर नदी के पानी में तलाश की जा रही है। हालांकि अभी तक कोई पता नहीं चला है। अधेड़ अशोक कुमार बाजार में जानवरों का पगहा बनाने का काम करता था। पूंछे जाने पर एस आई बालेन्द्र सिंह ने बताया कि सूचना के मिलने के बाद से ही एस डी आर एफ की टीम के साथ तलाश की जा रही है। लेकिन अभी सफलता नहीं मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी दो बार गायब हो गये थे। लेकिन वापस आ गये थे। सरयू नदी के पानी में तलाश के साथ ही संभावित जगहों पर तलाश की जा रही है।

माइक्रो मैनेजमेंट से मजबूत होगी चुनावी रणनीति, आंकड़ों से बनेगी 2027 की रूपरेखा

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने जनप्रतिनिधियों से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने को कहा

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े ने अयोध्या प्रवास के दौरान संघ कार्यालय साकेत निलयम में विचार परिवार के साथ बैठक की। वहीं, होटल रामायना में देर शाम जनप्रतिनिधियों के साथ रात्रिभोज के दौरान आयोजित बैठक में उन्होंने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों और चुनावी प्रबंधन को लेकर फीडबैक लिया। बैठक में बूथ स्तर पर पार्टी की स्थिति का आकलन करने और मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि चुनावी रणनीति को प्रभावी बनाने के लिए वर्ष 2014 से अब तक हुए चुनावों के परिणामों का बूथवार विश्लेषण किया जाना चाहिए। जिन बूथों पर वर्ष 2014 में पार्टी को जीत मिली थी, यदि बाद के चुनावों में वहां मत प्रतिशत में कमी आई है, तो इसके कारणों की पहचान की जानी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि वर्ष 2014 में पार्टी के पक्ष में मतदान करने वाले किन मतदाताओं का रुझान बाद के चुनावों में बदला और इसके पीछे क्या कारण रहे।

उन्होंने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणामों का विशेष रूप से विश्लेषण करने की आवश्यकता बताई। बूथवार आंकड़ों के आधार पर पार्टी की स्थिति, मतदाताओं के रुझान और चुनावी प्रदर्शन में आए बदलावों का आकलन करने से आगामी चुनावों की रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

प्रदेश प्रभारी ने चुनावी प्रबंधन में माइक्रो मैनेजमेंट की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए जनप्रतिनिधियों को सक्रियता बढ़ाने और जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों को समय रहते गति देते हुए प्रत्येक क्षेत्र की परिस्थितियों के अनुरूप कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक सक्रियता, जनसंपर्क और बूथ स्तर पर प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से पार्टी की तैयारियों को मजबूत करने पर मथंन किया गया।

बैठक में क्षेत्रीय प्रभारी दिलीप पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, अभय सिंह, चन्द्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पाण्डेय बादल, काशीराम, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, शिवेन्द्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अभिषेक मिश्र मौजूद रहे।